तीन बहनों कि एक साथ चुदाई

(A Story From Internet by Unknown Author)

ठाकुर जस्पाल सिंघ की शानदार हवेली लखनऊ के सबसे आधुनिक इलाके में बनी हुई थी। जस्पाल सिंघ एक ५० वर्ष के बहुत ही रोबिले और रुतबेदार ठाकुर थे। गरम राजपूती खून उनकी रगों में था और इस ५० वर्ष की अधेड़ उम्र में भी उनका बदन जवानों को मात देता था। लम्बा कसरती कद, सिर पर स्याह काले बाल और घनी मूँछें देखकर कोई भी उनसे आँखें नहीं मिला पाता। जब ठाकुर जी २८ वर्ष की उम्र के थे तब उनका विवाह हुआ। पर ठकुराईन उनकी तरह तन्दुरूस्त नहीं निकली। वह जब से हवेली में आईं अक्सर बिमार ही रहती। विवाह के १५ साल बाद यानि कि जब जस्पाल सिंघ ४३ वर्श के थे तभी ठकुराईन उन्हें औलाद का मुँह दिखाये बिना रन्डुआ बना कर ऊपर चली गयी। फिर जस्पाल सिंघ ने दूसरा विवाह नहीं किया।

विधुर जस्पाल सिंघ की हवेली फिर भी चहचहाटों से भरी हुई थी। हवेली में हर समय तीन खुबसूरत हसीन बहनों की हँसी मज़ाक कि आवाज़ ही सुनाई पड़ती थी। ये तीन हसीन बहनें ठाकुर जस्पाल सिंघ के स्वर्गीय बड़े भाई की निशनी थीं। लेकिन इन तीन लड़कियों के बाप ठाकुर जस्पाल सिंघ ही थे। आज से ३० साल पहले जस्पाल सिंघ की भाभी इस हवेली में आई थीं। हवेली खुशियों से भर उठी थी। फिर ५ साल बाद ही भाभी उदास रहने लगीं। जस्पाल सिंघ भाभी का बहुत आदर करते थे, पर देवर होने के नाते देवर भाभी के मजाकों से भी नहीं चूकते थे। जबसे भाभी खोई खोई रहने लगी तो जस्पाल सिंघ भाभी के और निकट आ गये।

तभी उन्हें पता चला कि उनके बड़े भाई में भाभी की गोद भरने की हिम्मत नहीं है। उस समय जस्पाल २५ साल के बहुत ही तन्दुरुस्त आकर्षक नवयुवक थे। बड़े भाई साहब ज्यादातर राजनिती में रहते थे। देवर भाभी एक दूसरे से खुल के दिल का हाल कहने लग गये थ। और एक बार बडे भैया जब एक सप्ताह के लिये दिल्ली गये तो देवर भाभी के सारे सब्र के बान्ध टूट गये। और यह रिश्ता आज से पन्द्रह साल पहले तक चला जब बडे भैया और भाभी दोनों एक साथ ट्रेन दुर्घटना में मारे गये। तो जस्पाल सिंघ के अपनी भाभी से नाजायज़ सम्बन्ध १० साल तक कायम रहे। यानी कि जस्पाल की २५ वर्ष से लेकर ३५ वर्ष की उम्र तक।

तीन बहनों की एक साथ चुदाई

देवर भाभी के इस मधुर सम्बन्ध ने भाभी की गोद में एक एक करके तीन हसीन लड़कियाँ डाली । सबसे बड़ी नीता है जो आज २७ साल की एक बहुत ही खूबसूरत नवयुवती बन चुकी है। अभी वह लखनऊ की मशहूर गर्ल्स कॉलेज में हिन्दी की प्रोफेसर है और साथ–साथ पी.एच.डी भी कर रही है। दूसरी निशा है, उम्र २५ साल और चेहरे और उसकी अदाओं में हमेशा हरियाली छाई रहती है। जब देखो तब खिले हुये गुलाब सा मुस्कराता चेहरा। वह भी 'गर्ल्स कॉलेज' में एम. ए. कर रही है। तीसरी का नाम नन्दिनी है; उम्र २२ साल और 'गर्ल्स कॉलेज' में इसी बी.ए. फाईनल यिअर में आई है। सबसे छोटी नन्दिनी टमाटर सी लाल और बहुत ही गदराये बदन की है। सबसे छोटी होने के नाते उसे हवेली में सबसे ज्यादा दुलार मिला।

जस्पाल सिंघ इस हकीकत से अच्छी तरह वाकिफ़ थे कि ये तीनों लड़कियाँ उन्हीं का खून हैं और जब वे विधुर हो गये तो उन्होंने दूसरी शादी नहीं की और अपनी तीनों बेटियों की हर खुशी को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। बे–औलाद जस्पाल सिंघ ने अपने ही खून इन तीनों बेटियों को बाप से भी ज्यादा प्यार दिया है। नतीजा यह हुआ कि तीनों के पन्ख लग गये। तीनों बहनों का बदन बहुत ही सेक्सी था। उनकी चूचियाँ और चुत्तड़ बहुत फुल–फुले थे और कोइ भी मर्द उनको देख कर विचलित हुये बिना नहीं रहता। इनके चाचा का लखनऊ में बहुत दब–दबा था और इसलिये कोई लड़का इनकी तरफ अपनी आँख भी उठा कर देखने की जुर्रत नहीं करता।

तीनों बहनों के पास सारी सुख सुविधायें मौजूद थी। जस्पाल ने इन्हें आलिशान इम्पोर्टेड कार दे रखी थी। तीनों लड़कियाँ एक रविवार को शाम ४ बजे के करीब कार में सवार होकर शहर में मस्ती करने निकली हुई थीं। कार कि ड्राइविंग नीता कर रही थी। कार अचानक एक जोरदार झटके के साथ रुक गयी। साथ बैठी निशा ने नीता से पुछा, " नीता क्या बात है, तुमने अचानक कार क्यों रोक दी।" नीता बोली, "ज़रा कार के सामने का नज़ारा तो देखो। कितना नशीला नज़ारा है। तब निशा और नन्दिनी ने सामने देखा कि कार के सामने बीच सड़क पर एक कुत्ता एक कुतिआ पर चढ़ने की कोशीश कर रहा है। कुत्ते का लगभग ४ इन्च लम्बा नोकिला लंड बाहर निकला हुआ था। कुछ देर की कोशीश के बाद कुत्ते ने अपना लंड कुतिया की चूत में डाल दिया। अब कुत्ता कुत्तिया पर पीछे से चढ़ा हुआ उसे मस्ती से चोद रहा था। तब निशा ने कहा "यार नीता! तुम ऐसा कोई भी मौका नहीं छोड़ती" एीता बोली, "हमसे तो किस्मत वाले यह कुत्ते कुतिआ ही है। ना जगह देखते ना मौका। जहाँ मन किया शुरू हो गये। देखो! कित्तियाक्या मस्ती से अपनी चूत चुदवा रही है।" तब नन्दिनी बोली, "हां हमारे

तीन बहनों की एक साथ चुदाई

चाचा जस्पाल सिंघ के डर के मारे कोइ लड़का हमारी और आँख भी उठा कर नहीं देखता। लगता है कि अपने नसीब में कुंवारी ही रहना है और अपनी चूत की आग अपनी अंगुलिओं से ही बुझनी है।"

यह सुनकर निता ने कार स्टार्ट कर दी। वोह किन्ही ख्यालों में खो गई। तीनों बहनें आपस में काफी खुली हुई थीं और एक दूसरे को दोस्त की तरह ट्रीट करती थीं। निता तो हमेशा सैक्सी मूड में रहने वाली लड़की थी ही और उसकी बातों का टॉपिक हमेशा सैक्स ही रहता था। तीनों बहनें खास सहेलियों की तरह खुल के सैक्स पर बात करतीं। तीनों बहनों का हवेली में एक आलीशान कमरा मिला हुआ था जिस पर तीनों बहनें एक साथ सोती थीं और एक बड़ा बाथरूम अटैचड् था। तीनों बहनें रात को मिल कर इन्टरनेट पर ब्लू फिल्म और दूसरी सैक्सी साइट्स डाउनलोड करतीं और आपस में एक दूसरे की चूँचियाँ मसलती, चूत चाटतीं और अपनी या एक दूसरे की चूतों को बैंगन/मोमबत्ती इत्यादि से चोदतीं। कभी अगर मौका मिलता तो हवेली में से ही चाचा जस्पाल सिंघ की शराब/सिगरेट चूरा कर अपने कमरे की प्राइवेसी में मौज करती थीं।

निता कुत्ते कुत्तिया की चुदाई देख कर पूरी गरम हो गई थी। उसे तालाश थी तो एक लंड की; वोह चाहे जिस किसी का भी हो। उसके दिमाग में तब एक आईडीया आया और निता ने कार प्रोफ़ेसर अमित के घर के तरह मोड़ दी। प्रोफ़. अमित की उमर उस समय लगभग ३५ साल की थी और उनकी शादी अभी नही हुइ थी। वो बहुत ही रंगीन मिज़ाज़ के थे मतलब वो एक बहुत चोदु आदमी थे। उनके लंड की लम्बायी ७" और मोटाइ ४" की थी और यह बात कॉलेज की लगभग सभी लड़कियों और मैडम को मालुम थी। उनको अपने लंड और अपनी चुदाइ की कला पर बहुत गर्व था और कॉलेज की कई लड़कियां और मैडम उनसे अपनी चूत चुदवा चुकी थीं। अमित इन सब लड़कियों और मैडम को बातों में फंसा कर अपने घर ले जाया करता था और फिर उनको नंगी करके उनकी चूत चोदा करता था और यह बात इन तीन बहनों को मालुम थी।

इन तीन बहनों ने अपनी कार प्रोफ़. अमित के घर के सामने जा कर रोकी। प्रोफ़. अमित उस समय अपने घर पर ही थे और एक लुंगी पहन कर शराब की चुस्कियाँ लेते हुए और अपना लंड सहलाते हुए एक ब्लु फ़िल्म देख रहे थे। कॉल बैल बजी तो प्रोफ़. अमित टीःवी की आवाज़ म्यूट करके दरवाज़ा खोला क्योंकि टीःवी उनके बेडरूम में था। सामने तीनों बहनों को देख कर बोले “अहा आज तो हमारे भाग ही

खुल गये"। अमित ने तीनों को बाहर के कमरे में बैठाया। टी.वी. उनके बेडरूम में था जिसका दरवाज़ा सामने था पर जहाँ तीनों बहनें बैठी थीं वहाँ से टी.वी. दिखायी नहीं पड़ रहा था। तभी नीता ने कहा, "मैं पिछली बार जब आपसे अपनी थीसिस में गाइडैंस के लिए आयी थी तो आपने काफी मदद की थी और बहुत अच्छे टिप्स दिये थे। आज भी मैं इसी सिलसिले में आयी हूँ। अगर आप हिन्दी साहित्य के रिति–काल से सम्बन्धित कुछ रैफ्रैन्सिस चाहिए।" पिछली बार जब निता यहाँ एक सहेली के साथ आयि थी तो बेडरूम में बैठ कर थीसिस डिस्कस की थी. तभी निता वहाँ से उठी और सीधे प्रोफ़. अमित के कमरे की और मुड़ गयी। उसके साथ–साथ निशा और नन्दिनी भी हो ली। तभी अमित को कुछ याद आया और हड़बड़ा के बोले " अरे रुको तो, वहाँ कहाँ जा रही हो तुम लोग।" पर तब तक देर हो चूकी थी।

कमरे में टी.वी. पर उस समय एक गरमागर्म चुदाइ का सीन चल रहा था जिस में एक आदमी दो लड़कियों को अपने लंड और अपनी जीभ से चोद रहा था। लड़कियां अपनी चूत चुदते समय अपनी अपनी कमर उछाल कर लंड और जीभ अपनी चूत में ले रही थीं।

प्रोफ़. अमित इन तीन बहनों के सामने घबड़ाहट दिखाते हुए बोले "अरे! अचानक तुम लोग यँहा क्यों पहूँच गयीं?" निता जो पहले से ही पूरी गरम थी, टी.वी पर यह द्रश्य देख कर और गरम हो गयी। उसने निशा की आँखों में देखा और आँखों ही आँखों में कह दिया कि "कुछ करो"। तब निता बोली, "आप तो टी.वी पर रीति–काल से सम्बन्धित ही फ़िल्म देख रहे हैं। यहाँ तो नायक नायिकाओं की रास–रीति साक्षात चल रही है।" प्रोफ़. अमित ने उन तीनों बहनों के चेहरे देख कर उनकी मन की बात पहचान ली और उनसे पुछा, "हम जो कुछ टी.वी. पर देख रहे थे, क्या तुम लोग भी शूरू से देखना चहोगी?" तीनों बहनों ने एक साथ अपना अपना सर हिला कर हामी भर दी। प्रोफ़. अमित ने फिर टी.वी. ऑन कर दिया और सब लोग पलंग और सोफ़ा पर बैठ कर ब्लु फ़िल्म देखने लगे। अमित ने उन्हें शराब आफ़र की और तीनों बहनों ने सहर्ष स्वीकार कर ली। अमित एक सोफ़ा पर बैठे थे और उनकी बगल वाले सोफ़ा पर निशा और नन्दिनी बैठी थी और पलंग पर नीता बैठी थी। उधर प्रोफ़. अमित ने देखा कि ब्लु फ़िल्म की चुदाइ का सीन देख कर तीनों बहनों का चेहरा लाल हो गया और उनकी सांस भी जोर जोर से चल रही थी। उनके सांसों के साथ साथ उनकी चुचियां भी उनके कपड़े के अन्दर उठ बैठ रही थी। एक साथ तीन जोड़ी चुचियां एक साथ उठ बैठ रही थीं और सांसे गर्म हो रही थीं। क्या हसीन नज़ारा था। तीनों बहनों पर शराब

का भी सुरूर छा रहा था। कुछ देर के बाद नीता, जो कि इन बहनों में सबसे बड़ी थी, अपना हाथ अपने बदन पर, चुची पर फेरने लगी। प्रोफ़. अमित उठ कर नीता के पास पलंग पर बैठ गये। उन्होंने पहले नीता के सर पर हाथ रखा और एक हाथ से उसके कन्धों को पकड़ लिया। इससे नीता का चेहरा प्रोफ़. अमित के सामने हो गया। अमित ने धीरे से नीता के कानों के पास अपना मुंह रख पुछा, "क्या बहुत गर्मी लग रही है, पंखा चला दुं? नीता बोली, "नही ठीक है," और फिर अमित सर के चेहरे को आंखे गड़ा कर देखने लगी। अमित ने पलंग से उठ कर पंखा फ़ुल स्पीड में चला दिया। पंखा चलते ही नीता की साड़ी का आंचल उड़ने लगा और उसकी दोनों चुचियां साफ़ साफ़ दिखने लगी।

अमित फिर पलंग पर नीता के बगल में अपनी जगह बैठ गये। उन्होंने नीता का एक हाथ अपने हाथ में ले लिया और धीरे से पुछा, "क्या मैं तुम्हरे हाथ को चूम सकता हुं?" नीता यह सुनते ही पहले अपनी बहनों के तरह देखी और फ़िर अपना हाथ अमित के हाथों में ढीला छोड़ दिया। अमित ने भी फ़ुर्ती से नीता का हाथ खींच कर उसके हथेली पर एक चुम्मा दे दिया। चुम्मा दे कर वो बोले, "बहुत मीठा है तुम्हारा हाथ और हमे मालुम है कि तुम्हरे होटों का चुम्मा इससे भी मीठा होगा।" यह कह कर अमित नीता की आंखो में देखने लगे। नीता तो पहले कुछ नही बोली, फिर अपने हाथ अमित के हाथों से खींचते हुए अपना मुंह उनके पास कर दिया और बोली, "जब आपको मालुम है कि मेरे होटों का चुम्मा और भी मीठा होगा और आपको सुगर की बिमारी नही है, तो देर किस बात की और मीठा खा लिजिये।" नीता की बात सुन कर अमित ने अपना होंठ नीता के होंठ पर रख दिया। फिर उन्होंने अपने होंठों से नीता के होंठ खोलते हुए नीता का निचला होंठ चुसने लगे। नीता ने अपने होंठ चुसाइ से गर्म हो कर अमित के कन्धों पर अपना सर रख दिया। अमित ने नीता का रिएक्शन देख कर धीरे से अपना हाथ बढ़ा कर नीता की एक चुची ब्लाउज़ के उपर से पकड़ ली। अमित एक हाथ से नीता की एक चुची सहला रहे थे और दुसरा हाथ उसके चुतड़ पर फेर रहे थे। नीता उनकी इस हरकत पर पहले तो थोड़ा कसमसाइ और अपनी बहनों की तरफ़ देखते हुए उसने भी अमित को जोर से अपनी बाहों में भींच लिया। अमित अब नीता की दोनों चुचियों पर अपने दोनों हाथ रख दिये और नीता की दोनों चुचियों को पकड़ कर मसलने लगा। यह पहली बार था कि किसी मर्द का हाथ नीता के शरीर को छु रहा था और ऊपर से शराब का सुरूर। वो बहुत गर्म हो गयी और उसकी सांसे जोर जोर से चलने लगी। अमित नीता के चुची को मसलते हुए नीता को होटों को चुमने लगा।

अमित इधर नीता को चोदने की तैयारी कर रहा था कि उसने देखा कि निशा और नन्दिनी भी अपना अपना बदन सहला रही हैं और बड़े गौर से अमित और नीता की चल रही जवानी का खेल देख रही हैं। अमित समझ गया कि वो अब इन तीनों बहनों के साथ कुछ भी कर सकता है और यह तीनों बहनें अब उसके काबु में हैं और वो जो भी चाहेगा वही कर सकता है। अमित ने फिर से अपना ध्यान नीता के शरीर पर डाला। अमित ने नीता की चुची को ब्लाउज़ के उपर से मसलते हुए अपना हाथ उसके ब्लाउज़ के अन्दर ले गया और जोर जोर से नीता की दोनों चुचियों को पकड़ कर दबाने लगा। कभी कभी वो अपनी दो अंगुली के बीच नीता की निपल को लेकर मसल रहा था और नीता अमित के कन्धो से लिपटी चुप चाप आंखे बन्द करके अपनी चुची मलवा रही थी। अमित ने फिर धीरे धीरे नीता की ब्लाउज़ और ब्रा को खोल दिया और नीता की कसी कसी चुची को देखने लगा।

नीता ने तब अपनी आंख अमित के आंख में डाल कर पुछा, "सर, कैसी है हमारी चुचियां, आपको पासंद तो हैं?" अमित नीता की चुची को देख कर पहले ही पागल सा हो गया था और उसकी चुची को सहलाते हुए बोला, "नीता मैडम, तुम हमारी पसन्द नापसन्द पुछ रही हो? अरे आज तक मैंने इतनी सुन्दर चुची कभी नही देखी है। तुम्हरी चुची बहुत सुन्दर है और यह हमको पागल बना रही है। इनको देख कर मैं अपने आप को रोक नहीं पा रहा हुं। नीता बोली, "मेरी चुची देख कर आपको क्या हो रहा है?" अमित बोला,"हाय! मैं अब तुम्हारी इन चुचियों को चुसना और काटना चाहता हुं," और यह कह कर नीता की एक चुची अपने मुंह में भर ली और मज़े ले ले कर चुसने लगा।

अपनी चुची की चुसाइ शुरु होते ही नीता पगला सी गयी और अपने हाथ बढ़ा कर अमित का लंड उसकी लुंगी के उपर से ही पकड़ कर मरोड़ने लगी। नीता की गर्मी देख कर अमित अपने हाथ से अपनी लुंगी उतार दी और फिर से नीता की एक चुची को मुंह में लेकर चुसने लगा और दुसरी चुची अपने हाथों में लेकर मसलने लगा। नीता अब अपने आप को रोक नही पाई और अपने हाथ से अमित का अन्डरवेयर उतार दिया। अमित का अन्डरवेयर उतारते ही अमित का ७" का लंड बाहर आ कर अपने आप झुमने लगा मानो वो इन हसीन बहनों को अपना सलाम बज़ा रहा हो। तीनों बहनें अमित का लम्बा और मोटा लंड देख कर दंग रह गयी।

अमित ने अब नीता को अपनी गोद में उठाया और फिर पलंग पर लिटा दिया। नीता को लिटाने के बाद अमित ने नीता की साड़ी को उसकी कमर से खींच कर निकाल दिया और नीता पलंग पर सिर्फ़ पेटीकोट पहने चित्त लेटी हुइ थी। अमित नीता की बुर को उसके पेटीकोट के उपर से पकड़ कर दबाने लगा। नीता की बुर अपने हाथों से दबाते हुए उसने नीता के पेटीकोट का नाड़ा खोल दिया। नीता ने भी पेटीकोट का नाड़ा खुलते ही अपनी कमर उपर कर दी जिससे कि अमित उसके पेटीकोट को उसके चुतड़ के नीचे से आसानी से निकाल सके। अमित ने नीता का पेटीकोट उसके फुले फुले चुतड़ के नीचे कर दिया और फिर उसको नीता के पैर से अलग कर पलंग के नीचे फेंक दिया। अब नीता अमित के सामने अपने गुलाबी रंग की पैंटी और वही गुलाबी रंग की सैण्ड्ल पहन कर लेटी हुई थी। अमित अब अपना मुंह नीता की बुर के पास ले गया और उसके पैंटी के उपर से उसको चुमने लगा। इधर अमित नीता को नंगा कर रहा था उधर नीता भी चुप नही थी। नीता अमित का लंड हाथ में लेकर उपर नीचे करने लगी और फिर उसके लंड का सुपाड़ा खोल कर उसको अपने मुंह में ले लिया और जीभ से चाटने लगी। अमित का लंड अब और भी कड़क हो गया। तबतक अमित, नीता की बुर उसके पैंटी के उपर से ही अपनी नाक लगा कर सुंघ रहा था और चुम रहा था। जैसे ही नीता अमित का लंड अपने मुंह में भर कर चुसने लगी, अमित ने नीता की पैंटी भी उतार कर, नीता को पुरी तरह से नंगी कर दिया। नीता के शरीर पर अब उसकी सैक्सी सैण्ड्ल के अलावा और कुछ भी नहीं था। नंगी होने से वह अब शर्मा रही थी और अपना चेहरा अमित की छाती में चुपा लिया। इसी दैरान अमित ने नीता की चुची को चुसना फिर से चालु कर दिया। नीता की चुचियां अब पत्थर के समान कड़ी हो गयी थीं। तब अमित ने नीता को फिर बिस्तर पर चित लिटा दिया और नीता की बुर को अपने जीभ से चाटने लगा। वो अपनी जीभ नीता के बुर के अन्दर बाहर करने लगा। अपनी बुर में अमित की जीभ घुसते ही नीता को बहुत मज़ा आने लगा और वो जोर से अमित का सर अपने बुर के उपर पकड़ दबाने लगी और थोड़ी देर के बाद अपनी कमर उपर नीचे करने लगी। अमित जो कि चुदाइ के मामले में बहुत माहिर था, समझ गया कि अब नीता अपने बुर में उसका लंड पिलवाना चाहती है।

उसने नीता का मुंह चुम कर धीरे से उसके कान पर मुंह रख कर पुछा, "हाय! नीता रानी, अपनी कमर क्यों उछाल रही हो? क्या तुम्हारी चूत में कुछ कुछ हो रहा है?" नीता बोली, "हां मेरे सनम, मेरे राजा तुम सही कह रहे हो, मेरी चूत में चिटीयाँ रेंग रही हैं। मेरा सारा बदन टूट रहा है, अब तुम ही कुछ करो।" ळिर अमित ने पुछा, "क्या तुम अपनी चूत हमारे लंड से चुदवाना चाहती हो?" नीता बोली, "अरे मेरे कपड़े सब

उतार दिये और अपने कपड़े भी उतार दिये और अब भी पुछते हो क्या हम लोग चुदाइ करेंगे?" "ठीक है अब हम तुमको चोदेंगे, लेकिन पहले थोड़ा दर्द होगा पर मैं तुम्हे बहुत ही प्यार से धीरे धीरे चोदुंगा और तुमको दर्द महसुस नही होने दुंगा," अमित ने नीता से कहा। यह सुन कर अमित उठा और नीता के दोनों पैर उठा कर घुटने से मोड़ दिये और दोनों पैर को अपने हाथों से फैला दिये। फिर उसने ढेर सारा थुक अपने हाथ में लेकर पहले अपने लंड पर लगाया फिर नीता के बुर पर लगाया। थुक से सना अपना खड़ा लंड बुर की मुंह पर रखा और धीरे से कमर को आगे बढ़ा कर अपना सुपाड़ा नीता के बुर में घुसा दिया और नीता के उपर चुप चाप पड़ा रहा। थोड़ी देर के बाद जब नीता नीचे से अपनी कमर हिलाने लगी तो अमित ने धीरे धीरे अपना लंड नीता की बुर में डालना शुरु किया। नीता का बदन दर्द से कांपने लगा और वो चिल्लाने लगी, "बाहर निकालो, मेरी बुर फटी जा रही है। हाय! मेरी बुर फटी जा रही है। तुम तो कह रहे थे कि थोड़ा सा दर्द होगा और तुम आराम से चोदोगे। मुझे नही चुदवाना है, तुम अपना लंड बाहर निकालो।" अमित ने नीता के मुंह में अपना हाथ रख कर बोला, "बस रानी बस, अभी तुम्हारा दर्द खतम हो जयेगा और तुम्हे मज़ा आने लगेगा। बस थोड़ा सा और बर्दाश्त करो।" "हाय! मेरी बुर फटी जा रही है और तुम कह रहे हो कि थोड़ा और बर्दाश्त करो। अरे मुझे नही चुदवानी है अपनी बुर, तुम अपना लौड़ा मेरी बुर से बाहर निकालो," नीता बोली और उसके आंख से आंसू आ गये। इतनी देर में अमित ने अपनी कमर उठा कर एक जोर दार धक्का मारा और उसने महसुस किया कि उसका सारा का सारा लंड नीता की बुर में घुस गया है और नीता की बुर से खून निकल रहा है। नीता मारे दर्द के तड़पने लगी और अमित को अपने हाथों से अपने उपर से हटाने की कोशिश करने लगी। लेकिन अमित नीता को मज़बुती से पकड़े हुए था और उसका हाथ नीता के मुंह के उपर था इसी लिये नीता कुछ न कर सकी बस तड़प कर रह गयी। अमित ने अपना लंड नीता की बुर के अन्दर ही थोड़ी देर के लिये रहने दिया। उसने नीता की एक चुची को अपने मुंह में लेकर जीभ से सहलाना शुरु कर दिया और दुसरी चुची को हाथ से सहलाना शुरु कर दिया। थोड़ी देर बाद नीता का दर्द गायब हो गया, अब उसे मज़ा आने लगा और नीचे से अपनी कमर को उपर नीचे करना शुरु किया।

अमित अब धीरे धीरे अपनी कमर हिला हिला कर अपना लौड़ा नीता की बुर में अन्दर-बाहर करने लगा। नीता ने भी अब जोरदार धक्के देना शुरु किया और जब अमित का लंड उसकी बुर में होता तो नीता उसे कस कर जकड़ लेती और अपनी बुर को सिकोड़ लेती थी। अब अमित समझ गया कि नीता को अब मज़ा आने लगा है तो

उसने अपनी कमर को उपर खींच कर अपना लंड पुरा का पुरा नीता की बुर से बाहर निकाल लेता, सिर्फ़ अपना सुपाड़ा अन्दर छोड़ देता और फिर जोर दार झटके के साथ अपना लंड नीता की बुर में पेल दे रहा था। नीता बुरी तरह अमित से लिपटी हुइ थी और अमित को अपने हाथ और पैर से जकड़ रखे थी। सारे कमरे में नीता और अमित की सिसकारी और उनकी चुदाइ का ’फच’ ’फच’ की आवाज गुंज रही थी। नीता अपने मुंह से "अह! अह! ओह! ओह! हां! हां! और जोर से, और जोर से हां हां ऐसे ही अपना लंड मेरी बुर में पेलते रहो," बोल रही थी। अमित फ़ुल स्पीड से नीता की बुर में अपना लंड अन्दर-बाहर करके उसको चोद रहा था और नीता बुरी तरह से अमित से चिपकी हुइ थी। इतनी देर से नीता की बुर चोद रहा अमित अब झड़ने वाला था और उसने अब ८-१० धक्के काफ़ी जोरदार लगाये और अमित
के लौड़े से धेर सारा पानी नीता की बुर में गिरा और समा गया। अमित के झड़ने के साथ ही साथ नीता की बुर ने भी पानी छोड़ दिया और उसने अपने हाथ पैर से अमित को जकड़ लिया। अमित हांफ़ते हुए नीता के उपर गिर गया और थोड़ी देर तक दोनों एक दुसरे से चिपके रहे। फिर नीता उठ कर अपनी बुर में हाथ लगाये बाथरूम की तरफ़ अपनी सैण्ड्ल खटकाती भाग गयी।

अमित इस समय बुरी तरह से थक चुका था और बेड पर पड़ा रहा, लेकिन उसका लंड अभी भी खड़ा था। उधर निशा और नन्दिनी दोनों एक दुसरे को बुरी तरह से चुम रही थीं। अमित अपनी जगह से उठ कर उन दोनों के पास चला गया और निशा के हील वाले सैण्ड्ल में कसे हुए चिकने पैर पर अपना हाथ फेरने लगा। निशा जो पहले ही मदहोश थी अपने पैर पर अमित का हाथ लगते ही अपने आप पर काबु नही रख सकी। निशा नन्दिनी को छोड़ कर अमित की तरफ़ मुड़ गयी और उसके सामने अमित बिल्कुल नंगा अपना खड़ा लंड लिये खड़ा था। अमित एक बार फिर चोदने के मूड में था। निशा ने अमित के चुतड़ को अपने दोनों हाथों से पकड़ कर अपना मुंह उसके लंड पर रगड़ने लगी। अमित का लंड अब भी नीता की चूत की चुदाइ से भीगा हुआ था। अमित भी निशा को अपने दोनों हाथों में बांध कर चुमने लगा। अमित का हाथ निशा के नंगे सेक्सी शरीर पर घुम रहा था, उसका हाथ निशा की चुची पर गया और वो उन खड़ी खड़ी चुची को अपने हाथों में ले कर मसलने लगा। निशा अपनी चुची पर अमित का हाथ पड़ते ही और जोश में आ गयी और अपना हाथ अमित के लौड़े पर रख दी। अमित का लंड निशा की मुट्ठी में आते ही अमित निशा की एक चुची अपने मुंह में भर कर चुसने लगा और दुसरी चुची अपने हाथ में लेकर उसकी निपल मसलने लगा। थोड़ी देर तक निशा ने अमित के लंड को अपने हाथों में लेकर उसके

सुपाड़े को खोला और बंद किया फिर एका एक उसने सुपाड़े को अपने मुंह में भर कर चाटने लगी। जैसे ही निशा ने अमित का लंड अपनी मुंह में लिया वैसे ही अमित खड़े खड़े अपनी कमर हिला कर अपना लंड निशा के मुंह के अन्दर पेला और बोला, "लेले मेरी रानी, मेरा लंड अपने मुंह में लेकर इसको खुब चुस फिर बाद में मैं इसको तुम्हारी चूत में डाल इससे चूत चुसवाउंगा।"

निशा ने अपनी मुंह से अमित का लंड निकाल कर कहा, "बस सिर्फ़ हमारी चूत से ही अपना लंड चुसवाओगे, गांड से नही? मैं तो तुम्हारा लंड अपनी चूत और गांड से खाउंगी। क्या तुम मुझको अपना लंड दोनों छेदों से खिलाओगे न? थोड़ी देर के बाद, अमित ने निशा को पलंग पर ले जाकर चित कर के लेटा दिया और उसके पैरों के पास बैठ कर उसकी सलवार को खोलने लगा। सलवार खोलने में निशा ने अमित की मदद की और अपने चुतड़ को उठा कर अपनी सलवार को अपनी गांड से नीचे कर के अपने पैरों से अलग कर दिया। फिर अमित ने निशा की पैंटी भी उतार दी और उसकी पैंटी उतारते ही निशा की गुलाबी कुँवारी चूत उसकी चमकती चिकनी जांघों के बीच चमकने लगी। निशा की गुलाबी चूत को अमित अपना दम साधे देखने लगा और अपनी जीभ होंठों पे फेरने लगा।

अमित ने झुक कर निशा की चूत पर चुम्मा दिया और अपनी जीभ निकाल कर उसकी चूत की घुंडी को तीन-चारबार चाट दिया। फिर अमित ने निशा की टांगों को फ़ैलाया और उपर उभ कर घुटने से मोड़ दिया और अपना लंड निशा की चूत के दरवाजे पर रख दिया। थोड़ी देर के बाद अमित अपना लंड निशा की चूत के उपर रगड़ने लगा और निशा मारे चुदास से अपनी कमर उठा उठा कर अमित का लंड अपनी चूत में लेने की कोशिश करती रही। जब निशा से नही रहा गया तो वो बोली, "अब क्यों तड़पाते हो, कबसे तुम्हारा लंड अन्दर लेने के लिये मेरी चूत बेकरार है और तुम अपना लंड सिर्फ़ मेरी चूत के उपर उपर ही रगड़ रहे हो। अब जल्दी करो और मुझको चोदो, फाड़ दो मेरी कुँवारी चूत को। आज मैं लड़की से औरत बनना चाहती हुं, अब ज्यादा परेशान मत करो। जल्दी से मुझे चोदो और मेरी चूत की आग को बुझाओ।"

निशा की इतनी सेक्सी मिन्नत सुनते ही अमित ने एक तकिआ बेड से उठा कर निशा की चुतड़ के नीचे लगा दिया, जिससे कि निशा की चूत और उपर हो गयी और खुल गयी। तब अमित ने एक जोर दार धक्का अपने लंड से निशा की चूत में मारा और उसका पुरा लंड निशा की चूत में जड़ तक घुस गया। निशा के मुंह से चीख निकल

गयी और उसकी चूत से खून निकलने लगा, लेकिन उसे इस बात का पता ही नही चला। निशा ने अमित को जोरो से जकड़ लिया और अपनी टांगें अमित की कमर पर कस ली। अमित निशा की एक चुची चुसते हुए एक हाथ से दुसरी निपल को मसलने लगा। धीरे धीरे निशा का दर्द कम होने लगी और उसकी गर्मी फिर बढ़ने लगी जिससे कि वो अपनी कमर उपर नीचे करने लगी। अमित भी अब अपनी कमर चला कर निशा की चूत में अपना लंड अन्दर बाहर करने लगा। थोड़ी देर के बाद निशा बोली, "क्या कर रहे हो? और जोर से चोदो मुझे, आने दो तुम्हर पुरा लंड मेरी चूत मे। मेरी चूत में अपना लंड जड़ तक पेल दो। और जोर जोर से धक्का मारो।" यह सुनते ही अमित ने चुदाइ फ़ुल स्पीड से शुरु कर दी और बोलने लगा, "क्या मेरी रानी, चुदाइ कैसी लग रही है। चूत की आग बुझ रही है कि नही?"

निशा नीचे से अपनी कमर उछालते हुए बोली, "अभी बात मत करो और मन लगा कर मेरी चूत मारो। चुदाइ के बाद जितना चाहे बात कर लेना, अभी मुझे तुम्हारा पुरा का पुरा लंड मेरी चूत को खिलाओ। इस समय मेरी चूत बहुत भुखी है और उसको बस लंड की ठोकर चाहिये।" अमित और निशा इस समय एक दुसरे को जोर से अपने हाथ और पैर से जकड़े हुए थे और दोनों फ़ुल स्पीड से एक दुसरे को अपने अपने लंड और चूत से धक्का मार रहे थे। पुरे कमरे में उनकी सिस्कियों और चुदाइ की आवाज गुंज रही थी। निशा की चूत बहुत पानी छोड़ रही थी और इसी लिये उसकी चूत से अमित के हर धक्के के साथ बहुत आवाज निकल रही थी। निशा अचानक बहुत जोरों से अपनी कमर उफालने लगी और वो फिर निढाल हो कर बिस्तर पर अपने हाथ पैर फ़ैला कर ढीली पड़ गयी। निशा अब झड़ चुकी थी और उसमे और चुदने की हिम्मत नही थी। अमित ने भी निशा के झड़ जाने के बाद जोर दार चार-पांच धक्के लगाये और निशा की चूत में अपना लंड घुसेड़ कर निशा के उपर गिर गया। अमित भी झड़ चुका था और अब वो निशा के उपर आंख बन्द करके लेटा था और हांफ रहा था। थोड़ी देर के बाद अमित ने अपना लंड निशा की चूत से बाहर निकाला और लंड के बाहर निकलते ही निशा की चूत से धेर सारा सफ़ेद गाढ़ा गाढ़ा पानी निकलने लगा। निशा यह देख कर चूत में अपनी पैंटी खोंस कर उठ कर बाथरूम की तरफ़ भागी।

प्रोफ़. अमित काफ़ी थक चुके थे। वो आज लगातर दो कुंवारी लड़कियों के साथ चुदाइ कर चुक थे। उन्होंने अपना मुंह घुमा कर देखा कि नीता और नन्दिनी आसपास में बैठे थे। नीता नन्दिनी की चुची उसके कपड़े के उपर से ही दबा रही थी। नीता ने नन्दिनी के कपड़े बहुत ढीले कर दिये थे और नन्दिनी के कपड़े आधे खुले हुए थे। नीता ने

नन्दिनी की जीन्स और टी–शर्ट उतार दी थी और अब नन्दिनी सिर्फ़ अपनी ब्रा और पैंटी और सैण्ड्लस् में थी। नन्दिनी की चुचियां बहुत ही सेक्सी थीं। उसकी चुचियां बहुत बड़ी तो नही थीं पर थीं बहुत गठी और गोल गोल। उसकी निपल इस समय बिल्कुल फुल कर खड़ी और कड़क हो गयी थी। नन्दिनी की एक निपल नीता अपने मुंह में लेकर चुसने लगी और अपने हाथ नन्दिनी की जांघों के बीच में घुमाने लगी। नीता ने फिर नन्दिनी की पैंटी भी उतार दी और अपना मुंह नन्दिनी की चूत पर रख दिया। थोड़ी देर के बाद नीता ने अपनी जीभ निकाल कर नन्दिनी की चूत के अन्दर कर दी। नन्दिनी इतना गरम हो गयी कि अपने हाथों से अपनी निपल मसल रही थी।

यह सब देख कर अमित के अन्दर वासना का ज्वार फिर से आने लगा और चुदाइ के लिये उसका लंड फिर से गरम होने लगा। वो उठ कर नीता और नन्दिनी के पास पहुंच गया और दोनों बहनों की काम लीला ध्यान से देखने लगा। दोनों बहनों को देखते देखते उसने अपना हाथ नन्दिनी की चुचियों पर रख दिया और उसकी निपल अपने हाथों में लेकर अपनी अन्गुलियों के बीच रख कर मसलने लगा। नन्दिनी अब अमित की तरफ़ मुड़ी और वो देखी कि अमित सर उसके बगल नंगे खड़े हैं और उनका लंड अब गरम हो कर खड़ा होने लगा है। उसने अमित का लंड अपने हाथों में ले कर अमित से पुछा, "क्या सर अब मुझ को भी चोदेंगे? हां मैं भी अपनी दीदीयों की तरह अपनी चूत आपसे चुदवाना चाहती हुं। प्लीज़ मुझे भी अपने लंड से चोदिये। लेकिन आपके लंड को क्या हो गया है? क्या अब यह हमारी चूत में घुसने के काबिल है?" अमित लड़कियों की चुदाइ का पुराना खिलाड़ी था और उसने अपने लंड को हिलाते हुए कहा, "घबड़ाओ मत अभी तुम्हे अपने लंड का कमल दिखाता हुं।" यह कह कर अमित ने अपना लंड नन्दिनी के मुंह में दे दिया और बोला, "लो मेरी जान! मेरा लंड अपने मुंह में लेकर इसे चुसो।" नन्दिनी भी उनके लंड को अपने मुंह में लेकर उस पर अपनी जीभ चलाने लगी और कभी उस पर अपने दांत गड़ाने लगी। नन्दिनी की लंड चुसाइ से अमित को बहुत मज़ा आया और उनका लंड अब धीरे धीरे खड़ा होने लगा। उधर नीता अपने एक हाथ से नन्दिनी की चूत सहला रही थी और दुसरे हाथ से अमित की गांड में अपनी अंगुली पेल रही थी। थोड़ी देर के बाद लंड चुसाइ और गांड में नीता अंगुले होने से अमित का लंड पुरे जोश के साथ खड़ा हो गया और फिर चुदाइ शुरु करने के लिये तैयार था।

अमित ने अपना लंड नन्दिनी के मुंह से निकाला और नन्दिनी के पैर के बीच बैठ गया। उसने अपने दोनों हाथों से नन्दिनी की चूत को फ़ैलाया और उसके अन्दर अपनी जीभ

डाल दी। अमित अपनी जीभ नन्दिनी की चूत के अन्दर–बाहर करने लगा और चूत की अन्दरुनी दीवारों के साथ अपनी जीभ से खेलने लगा। कभी कभी अमित अपनी जीभ नन्दिनी की भगंशा भी चाट रहा था और कभी कभी उसको अपने दातों के बीच पकड़ कर जोर जोर से चुस रहा था। नन्दिनी अब काफ़ी बेचैन थी और अपनी कमर हिला हिला कर अपनी चूत को अमित के मुंह पर आगे पीछे कर रही थी। अमित समझ गया कि नन्दिनी की चूत अब लंड खाने के लिये तैयार है। अमित का लंड भी अब पहले जैसा तगड़ा हो गया था और नन्दिनी की चूत में घुसने के लिये उतावला था। अमित ने अपनी जीभ नन्दिनी की चूत से निकाल ली और अपना सुपाड़ा नन्दिनी की चूत पर रख कर एक हल्का सा धक्का दिया, लेकिन नन्दिनी जबरदस्त जोर से चिल्ला पड़ी। अमित का लंड नन्दिनी की छोटी चूत के हिसाब से बहुत मोटा था और नन्दिनी की यह पहली चुदाइ थी। नन्दिनी अपने हाथों से अमित को रोक रही थी और अमित अपना लंड नन्दिनी की चूत में पेल नहीं पा रहा था। उसने नीता और निशा से नन्दिनी की चुची और चूत से खेलने को कहा जिससे कि नन्दिनी बहुत गरम हो गयी और अमित का लंड अपनी चूत में घुसने दी। अमित उठ कर एक नारियल के तेल की शिशी उठा लाया और अपने लंड पर अच्छी तरह से तेल मला। फिर उसने तेल को अपनी अंगुली में लेकर नन्दिनी की चूत पर भी लगाया। उसने तेल को चूत के अन्दर तक अपनी अंगुली से घुमा घुमा कर लगाया।

तेल लगाने के बाद अमित अपनी अंगुली नन्दिनी की चूत के अन्दर–बाहर करने लगा। कभी कभी वो अपनी अंगुली से उसकी चूत की घुंडी भी रगड़ देता था। नन्दिनी की चूत अब पानी छोड़ रही थी और इससे उसकी चूत चुदाइ के लिये तैयार हो गयी। अमित फिर नन्दिनी के पैर को फ़ैला कर उनके बीच घुटने के बल बैठ गया और नन्दिनी को समझाया कि अब कोइ चिन्ता की बात नही है अब उसको कोइ दर्द नही होगा। उधर नीता और निशा नन्दिनी की एक एक निपल अपने मुंह में लेकर चुस रही थी। अमित ने उसके दोनों पैर हवा में उठा दिये और उसकी कमर को कस कर पकड़ लिया जिससे कि फिर से छुट न जाये। अमित ने फिर नन्दिनी की चूत पर अपना लंड रख और नन्दिनी के कुछ समझने के पहले ही एक जोर दार झटका दिया। नन्दिनी की चूत तेल और चूत से निकले पानी की वजह से काफ़ी चिकनी हो गयी थी जिससे कि अमित का लंड एक ही झटके से पुरा का पुरा अन्दर चला गया।

नन्दिनी इस अचानक हमले से तो पहले चिखी और अमित को अपने उपर से हटाने के लिये धक्का मारा, लेकिन इस बर अमित की पकड़ बहुत ही मजबूत थी। अमित ने

अपनी कमर आगे पीछे करके अपना लंड नन्दिनी की चूत में धीरे धीरे पेलने लगा। थोड़ी देर के बाद नन्दिनी को भी मज़ा आने लगा और तब वो अपनी कमर उठा उठा कर अमित को चुदाइ में सहयोग करने लगी। अमित और नन्दिनी दोनों एक दुसरे को उपर और नीचे से धक्के मार रहे थे और नन्दिनी की चूत में अमित का लंड तेज़ी से आ–जा रहा था। नीता और निशा अब चुदाइ के जोड़ों से हट कर दोनों की चुदाइ देख रहे थे और एक दुसरे की चूत में अंगुली कर रहे थे। नन्दिनी और अमित दोनों एक दुसरे से चूत और लंड के साथ जुड़े हुए थे। थोड़ी देर के बाद नन्दिनी की चूत से पानी निकलने लगा तो अमित ने अपनी चुदाइ की स्पीड और तेज़ कर दी क्योंकि अमित भी अब झड़ने वाला था। उसने आखिर के चार पांच धक्के जोर दार से नन्दिनी की चूत पर अपनी लंड से मारे और फिर नन्दिनी की चूत के अन्दर पुरा का पुरा लंड ठेल कर के झड़ गया। नन्दिनी भी अब तक झड़ चुकी थी। अमित का सारा पानी नन्दिनी की चूत में समा गया। दोनों हांफ़ रहे थे और एक दुसरे को चिपके पड़े हुए थे। फिर अमित ने अपने लंड को नन्दिनी की चूत से निकाला तो उससे ढेर सारा पानी निकलने लगा। नीता और निशा ने जल्दी से अपना अपना मुंह नन्दिनी की चूत पर लगा दिया और उससे निकल रषे अमित और उसकी चूत के पानी के मिश्रन को जीभ से चाट चाट कर पी गयी।

थोड़ी देर के बाद नन्दिनी ने अपनी आंखे खोली और मुसकुरा कर अमित से बोली, "सर, आपके लंड से चुदवा कर बहुत मज़ा आया। आज हम तीनों बहनों ने आप से अपनी अपनी चूत का सील फोड़वायी। आप को किसकी चूत सबसे अच्छी लगी और कौन सी बहन को चोदने में आपको मज़ा आया। सच सच बताना।" अमित ने नन्दिनी की चुची को मसलते हुए कहा, "अरे चुदी हुइ लड़कियों, भई मुझे तो तुम तीनों बहनों ही की चूत बहुत अच्छी लगी, हां तुम्हारी चूत बहुत टाईट थी और मुझे बहुत मेहनत करनी पड़ी। लेकिन तुम तीनों बहनों ने आज दिल खोल कर अपनी अपनी चूत चुदवाइ है। मुझे तो तुम सभी बहनों की चूत को चोदने में मज़ा आया।" इतना सुन कर तीनों बहनें मुसकुरा दीं और फिर बोलीं, "अब फिर कब हमारी चूत को आपके लंड का भोग मिलेगा। जल्दी से कोइ दिन निकालिये और फिर हम तीनों बहनें आपके लंड के धक्के अपनी अपनी चूत में खाने के लिये हाज़िर हो जायेंगी।"

Hindi Fonts By: SinSEX

अमित ने कुछ देर सोच कर कहा ऐसा करो कि मैं सण्डे को नई दिल्ली एक सेमिनार में चार–पांच दिन के लिये जा रहा हुं, तुम तीनों बहनें अपने घर से पर्मीशन ले कर हमारे साथ चलो। मैं तुम सब को वंहा रोज सुबह शाम और रात को वायागरा की गोली

खा खा कर चोदुंगा और तुम्हारी चूतों को चोद चोद कर भोसड़ा बना डालुंगा। हां, वंहा और भी लोग आयेंगे तुम लोग अगर चाहोगी तो तुम्हे और भी लंड अपनी अपनी चूत में पिलवाने को मिल जायेंगे और तुम तीनों बहनें मज़े से अपनी अपनी चूत को लम्बे लम्बे और मोटे मोटे लंड से चुदवा सकती हो।"

यह सुन कर तीनों बहनों ने अमित के साथ नई दिल्ली जाने का प्रोग्राम बना डाला। ळिर तीनों बहनों ने अपने अपने कपड़े पहन लिये और अमित ने सिर्फ़ एक लुन्गी अपनी कमर पर बांध ली। सब्ने बैठ कर नाश्ते के साथ एक–एक पैग और पिया। फिर अमित तीनों बहनों को बाहर छोड़ने गये। बाहर जाने के पहले दरवाजे के पास अमित ने उनको फिर से अपनी बाहों में ले कर उनको चुम्मा दिया और इन तीन बहनों की चुची उनके कपड़ों के उपर से दबायी। नीता ने फिर अमित को अपनी बाहों में लेकर चुमा और फिर अपनी साड़ी उठा कर अमित से अपनी चूत पर चुम्मा देने को कहा। अमित ने नीता की चूत पर एक जोर दार चुम्मा दिया और उसकी चूत की घुंडी को तीन चार बार अपनी जीभ निकाल कर चाट दिया। निशा और नन्दिनी अपनी चूत पर अमित का चुम्मा नही ले सकी क्योंकि वो सलवार और जीन्स पहने हुए थी और इसीलिये वो अपनी चूत नही खोल सकी। फिर नीता ने अमित की लुंगी हटा कर उनके लंड का सुपाड़ा खोल कर चुसा। नीता की देखा देखी निशा और नन्दिनी ने भी अमित के लौड़े को चुमा और उनके सुपाड़े को मुंह में ले कर चुसा और फिर अपनी–अपनी चुदी हुइ चूत में अमित के लंड से निकला हुआ चुदाइ का पानी भर कर अपने घर को चली गयीं और अमित अपने कमरे में आकर सो गया। वो बहुत थक चुका था।